ओम शान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 17 अंक-2 अप्रैल-II, 2016 पाक्षिक माउण्ट आबू ₹8.00

एक अनुपम महोत्सव, राजयोग उत्सव

अध्यात्म को मिला एक नया आयाम 'राजयोग उत्सव' में

नई दिल्ली। दिल्ली में पंजाबी बाग स्थित जन्माष्टमी पार्क में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा अध्यात्म को एक नई ऊँचाई प्रदान करने हेतु एक वृहद स्तर पर दस दिवसीय आध्यात्मिक मेले `राजयोग उत्सव' का आयोजन किया गया, जिसमें लाखों लोगों ने अपने जीवन में आने वाली परेशानियों तथा चिंताओं को कैसे जीतें के लिए तथा खुशहाल जीवन जीने हेतु कुछ अच्छे टिप्स लिये। इस मेले में लोगों की जागृति हेतु अन्यानेक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया, जिसमें लगभग सभी वर्गों को शामिल किया

गया। मेले में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की झलकियाँ निम्न हैं:-

दिल्ली पुलिस हेतु कार्यक्रम

1. तनावमुक्त रहकर ज़िम्मेदारी निभायें। 2. कार्यक्रम में लगभग 500 से भी अधिक सुरक्षाकर्मियों ने भाग लिया।

3. स्वस्थ, शक्तिशाली, सजग एवं तनावरहित रहने की कुछ विधियाँ भी सीखीं।

इस कार्यक्रम में किसने क्या कहा

हम कार्य को परफेक्शन से करने के कारण तनाव में आते हैं। यदि उसमें बेहतरीन सकारात्मक सोच को अपना लिया जाए तो हम तनाव पर विजय प्राप्त कर सकते हैं। **मुक्तेशचन्द्र, स्पेशल कमिश्नर,दिल्ली ट्रैफिक पुलिस।**

भूत और भविष्य की व्यर्थ एवं नकारात्मक सोच हमारी परेशानी, अस्थिरता या तनाव का मुख्य कारण है जिसे हम राजयोग द्वारा दूर कर सकते हैं। - **ब्र.कु. आशा,ओ.आर.सी.।**

सच्चे मन से संसार के सर्वोच्च रक्षक निराकार परमात्मा की स्मृति में रहकर हम अपने व्यवहारिक उत्तरदायित्व का बेहतर संपादन कर सकते हैं। **– ब्र.कु. शुक्ला।**

वरिष्ठ नागरिकों के लिए कार्यक्रम

राजयोग उत्सव मेले में वरिष्ठ नागरिकों हेतु `दुआओं का दरिया' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 700 से भी अधिक लोगों ने हिस्सा लिया।

किसने क्या कहा:–आज देश में शिक्षित और बुद्धिमान व्यक्तियों के साथ-साथ संस्कारी नागरिकों का होना आवश्यक है। ब्रह्माकुमारी संस्था राजयोग ज्ञान और ध्यान के द्वारा इसी लक्ष्य से समग्र विश्व के मानव तथा भारत के आदि सनातन दैवी चरित्र को लाने में जुटी है **–विजय सांपला,मंत्री,सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण,भारत सरकार।**

वरिष्ठ नागरिक अनुभव की खान हैं जिनके मार्गदर्शन से हमारा तथा युवा पीढ़ी का जीवन सफल हो सकता है **– श्रीमती किरण चोपड़ा, चेयरपर्सन, वरिष्ठ नागरिक केसरी क्लब।**

बिज़ी लोगों के लिए ईज़ी मेडिटेशन कार्यक्रम

राजयोग उत्सव कार्यक्रम में बिज़ी लोगों के लिए ईज़ी मेडिटेशन कार्यक्रम में लगभग 700 से भी अधिक श्रोताओं को गहरी आध्यात्मिक शांति की कराई गई अनुभूति।

किसने क्या कहा –

ईर्ष्या, जलन, तुलना को छोड़, संतुष्ट रहकर अपने लक्ष्य को साधने हेतु संयम और विश्वास के बीच समन्वय बनाना है, इसके लिए स्वस्थ एवं तनावमुक्त, एवं व्यवस्थित करने का राजयोग मेडिटेशन सरल उपाय है।

– राम निवास गोयल,अध्यक्ष,दिल्ली विधानसभा।

हम लड़ते रहते हैं, विरोध करते रहते हैं जिससे अशांत होकर बिज़ी हो जाते हैं। शरीर के लिए जिस प्रकार भोजन ज़रूरी है, उसी प्रकार मन के लिए शांति ज़रूरी है। - **राजीव गुप्ता,युवा प्रभाग सचिव,यूथ अफेयर्स एवं स्पोर्ट्स मंत्रालय, भारत सरकार**

ब्रह्माकुमारी संस्था का राजयोग उन बिज़ी लोगों के लए बहुत आवश्यक है जो अपने जीवन को ईज़ी बनाना चाहते हैं - **कृष्णा प्रसाद ढकाल, मंत्री,शाही नेपाल दूतावास।**

राजयोग मेडिटेशन न केवल एक आध्यात्मिक ज्ञान है अपितु एक सम्पूर्ण उपचार विज्ञान है जिससे मनुष्य जीवन एवं समाज को स्वस्थ, सुखी एवं समृद्ध बनाया जा सकता है

– ब्र.कु.बृजमोहन,मुख्य वक्ता,ब्रह्माकुमारीज़

इस राजयोग उत्सव के दौरान महिलाओं के सशक्तिकरण के कार्यक्रम में ऑल इंडिया वुमेन कॉन्फ्रेन्स के कोषाध्यक्ष अमरेस्वरी मोरला, हरियाणा पुलिस के इंस्पेक्टर जनरल सुमन मंजरी, आप पार्टी के विधायक अल्का लाम्बा व ब्रह्माकुमारी संस्था की महिला प्रभाग की अध्यक्षा ब्र.कु. चक्रधारी आदि उपस्थित थे।

लिंग समानता और सशक्तिकरण पर हुआ टॉक शो का आयोजन

500 से अधिक दिल्ली व एन.सी.आर. के युवाओं को सम्बोधित करते हुए दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येन्द्र जैन ने कहा कि नारी सम्मान और सुरक्षा के लिए युवा संवेदनशील और जागरुक बनें। अगर आज का युवक महिलाओं का असम्मान तथा उत्पीड़न करता है तो वो युवक कायर और कमज़ोर है। उसे शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ और शक्तिशाली होने की आवश्यकता है।

'सेव डॉटर-सेव वॉटर' 'विश्व जल दिवस'

जल नहीं तो कल नहीं

सूरत-वराछा। जल संरक्षण हेतु महिलाओं की भूमिका हेतु एक सेमिनार का आयोजन सूरत वराछा में किया गया जहाँ विभिन्न संस्थाओं एवं वर्ग की महिलाओं ने भाग लिया। इसके प्रासंगिक उद्बोधन में ब्र.कु. तृप्ति ने कहा कि जनसंख्या की वृद्धि के साथ-साथ जल की समस्या भी बढ़ती जा रही है। आज कई देशों में पानी की समस्या है, इस कुदरती सम्पत्ति का अगर सदुपयोग नहीं करेंगे तो आने वाले समय में हमारे लिए विकट संकट हो सकता है।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन मेयर अस्मिता शिरोया, अनिष संस्था की चेयरमैन गीता श्रॉफ, समाज सेविका म्हारुख बहन, ब्र.कु. तृप्ति, प्रो. रेणुका आदि ने किया। कार्यक्रम के अंत में लोगों को अच्छी अनुभूति हेतु मेडिटेशन कराया गया।

भोपाल-गुलमोहर कॉलोनी। `इन परस्यूट ऑफ हैप्पीनेस' विषयक कार्यक्रम में जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ ब्र.कु. शिवानी का स्वागत करते हुए रमेशचन्द्र अग्रवाल,चेयरमैन,भास्कर समूह।